सोमवार
16 मार्च 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 51
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

खण्डर में मिला महिला का शव

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में अपराधों का ग्राफ लगातार बढ़ता ही जा रहा है। बीते कुछ समय से अन्य संगीन अपराधों के साथ-साथ हत्याओं का सिलसिला भी अचानक बढ़ गया है। बीते तीन दिन पहले झाझरा स्थित जंगल में बोरे में लाश मिलने की घटना का पुलिस अभी खुलासा भी नहीं कर पायी थी कि आज सुबह रायपुर क्षेत्रांतर्गत एक खण्डर में एक महिला का शव मिलने से पुलिस प्रशासन में अफरा तफरी फैल गयी। महिला के शरीर पर चोटों के निशान देखते हुए उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह रायपुर क्षेत्रांतर्गत चुना भट्टा स्थित एक खण्डर में एक महिला का शव पड़ा मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। महिला की पहचान शिवानी थापा निवासी सूरज बस्ती चूना भट्टा के रूप में की गयी है। सूंत्रों का कहना है कि शिवानी नशे की आदी थी जिसे कुछ दिन पहले ही उसकी मां हरिद्वार स्थित एक नशा मुक्ति केन्द्र से छुड़ाकर लायी थी। बताया जा रहा है कि शिवानी थापा की शादी करीब तीन-चार साल पहले ही हुई थी जिसका दो साल का बच्चा भी है। जबकि उसका पति भी नशे का आदी है जो फिलहाल नशा मुक्ति केन्द्र में बंद है। मृतका शिवानी के शरीर पर चोटों के निशान देखते हुए उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है। बहरहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। वहीं मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी सिटी प्रमोद कुमार, एसपी देहात जया बलूनी और एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल भी मौके पर पहुंचे हुए है।

बता दें कि करीब तीन दिन पूर्व प्रेमनगर क्षेत्रांतर्गत झाझरा के जंगलों में एक महिला की बोरे में लाश मिली थी जिसकी अज्ञात लोगों द्वारा गला घोटकर हत्या की गयी थी। महिला की शिनाख्त पुलिस अभी तक नहीं करा सकी है। जिस कारण उसके हत्यारो को भी पुलिस पकड़ पाने में कोसो दूर है। वहीं ऐसे समय में राजधानी देहरादून में एक बार फिर महिला का शव मिलने से लोगों का कानून व्यवस्था पर सवाल उठाना लाजमी है?

ईंटों से भरी ट्रॉली में घुसी कार, 4 दोस्तों की मौत

हमारे संवाददाता

मुरादाबाद। मूंढापांडे थाना क्षेत्र के मनकरा मोड़ के पास आज सुबह एक अनियंत्रित कार आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। हादसे का मंजर इतना खौफनाक था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना में एक युवक गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शवों को कब्जे में लेकर घायल को अस्पताल पहुंचाया जहां उसका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार हादसा आज सुबह उस समय हुआ जब हल्द्वानी के पांच मित्र कार से दिल्ली की ओर जा रहे थे, प्रत्यक्षदर्शियों और शुरुआती जांच के अनुसार, कार चालक को संभवत: नींद की झपकी आ गई थी। इसके कारण तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर आगे चल रही ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जा घुसी। सीएचसी की मेडिकल ऑफिसर डॉ. ईशा सिंह ने बताया कि घायलों को जब अस्पताल लाया गया, तो चार युवकों की मौत हो चुकी थी। उनके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। पुलिस ने सभी पीड़ितों की शिनाख्त कर ली है। ये सभी हल्द्वानी, उत्तराखंड के निवासी थे। मृतकों के नाम अनिल नेगी, सुंदर सिंह, भुवन भंडारी और दयाल सिंह बताये जा रहे है। जबकि घायल हुए युवक का नाम यशदीप पांडे बताया जा रहा है। जिसे मुरादाबाद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहॉं उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस सड़क हादसे का तत्काल संज्ञान लिया है साथ ही मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। मूंढापांडे एसएचओ मोहित कुमार ने बताया कि पुलिस टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से कार को काटकर उसमें फंसे युवकों को बाहर निकाला। क्षतिग्रस्त कार को हाईवे से हटाकर यातायात सुचारू कराया गया है। पुलिस अब मृतकों के परिजनों से संपर्क कर आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

विसंगतियों के बीच चुनावी घोषणा

कल रविवार यानी छुट्टी वाले दिन चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा दक्षिण भारत के पांच राज्यों का चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया। ज्ञानेश कुमार ने ऐसे समय में इस चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की है जब संसद में विपक्षी सांसदों द्वारा महाभियोग का प्रस्ताव पेश किया जा चुका है तथा निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सैकड़ों सवाल खड़े किए जा रहे हैं और ईरान-इजरायल के बीच जारी जंग विश्व युद्ध के मुहाने पर दस्तक दे रहा है। ज्ञानेश कुमार का अपने पद पर बना रहना और आयोग के चुनावी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का मामला देश में चल रही एसआईआर की प्रक्रिया जिसमें करोड़ों मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं और उन्हें मताधिकार से बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है, के कारण भी चर्चाओं के केंद्र में है। खैर इन तमाम विसंगतियों के बीच भी अगर चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है तो चुनाव होने तो तय है ही। लेकिन तमाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विसंगतियों के बीच होने जा रहे यह चुनाव केंद्र की सरकार और भाजपा की राजनीति इसके खिलाफ पूरे देश में एक माहौल देखा जा रहा है भविष्य तय करेंगे इसलिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। चुनाव आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार पश्चिम बंगाल में यह चुनाव दो फेज में होंगे तथा अन्य चार राज्यों में एक ही फेज में होंगे। पश्चिम बंगाल में मतदान के लिए 23 व 29 अप्रैल को तथा तमिलनाडु में 23 अप्रैल व शेष तीन राज्य असम, केरल और पांडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होना है। इन सभी पांच राज्यों के चुनाव परिणाम 4 मई को आएंगे। कुल मिलाकर इन सभी पांच राज्यों में लगभग 824 विधानसभा सीटे हैं जिन पर 17.5 करोड़ मतदाताओं को यह फैसला करना है कि कहां किसकी सरकार बनेगी। सबसे अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि इस चुनावी प्रक्रिया के खिलाफ अपनी चुनावी जंग को सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जहां एसआईआर के तहत 58 लाख वोटरों के वोट काटे गए हैं एक बार फिर अपनी जीत का परचम फहरा कर इतिहास रचेगी या सत्ता से उन्हें बाहर धकेल कर भाजपा नया इतिहास बनायेगी? पश्चिम बंगाल में कुल विधानसभा सीटें 294 हैं तथा बहुमत के लिए 148 सीटें चाहिए। पश्चिम बंगाल के चुनाव के बारे में इस बार अहम बात यह है कि यहां पिछले विधानसभा चुनाव आठ फेज में कराए गए थे तथा एक रणनीति के तहत भाजपा तथा मोदी और शाह के लिए एक लंबा समय चुनाव प्रचार और उनके यहां मौजूदगी के लिए दिया गया था लेकिन इस बार सिर्फ दो पेज में ही यह चुनाव निपट जाएगा। राजनीती की समझ रखने वालों का कहना है कि ऐसा इस बार प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी कम करने के लिए किया गया है क्योंकि भाजपा को अब यह दिखने लगा है कि मोदी मैजिक का दौर अब खत्म हो चुका है। इसलिए इस बार उन्हें प्रचार में कम से कम रहने की नीति पर काम किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल के बाद जहां का चुनाव सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है वह तमिलनाडु है जहां 234 विधानसभा सीटें हैं यहां लगभग एक करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं जो सबसे अधिक है देखना होगा कि क्या भाजपा यहां इस बार 118 सीटों के जादुई आंकड़े को छू सकेगी। केरल की 140 सीटों व असम की 126 सीटों पर कड़ा मुकाबला होगा अब 4 मई को आने वाले चुनावी नतीजे ही बताएंगे कि देश की राजनीति किस दिशा में जा रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने पूर्व सीडीएस जनरल विपिन रावत को उनकी जयंती पर भावपूर्ण किया स्मरण

देहरादून (संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारत के प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, पद्म विभूषण से अलंकृत तथा उत्तराखंड के गौरव, जनरल बिपिन रावत की जयंती पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावपूर्ण स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि माँ भारती की सेवा में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले जनरल बिपिन रावत अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा और सेवा के प्रति जनरल बिपिन रावत का समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनका नेतृत्व, दूरदर्शिता और देश के प्रति अटूट निष्ठा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

ट्रिपल इंजन सरकार के दावे फेल

मूलभूत सुविधाओं का संकट, कांग्रेस प्रवक्ता थापर ने किया निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। कैंट विधानसभा क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं का संकट होने पर कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने स्थानीय लोगों के साथ निरीक्षण किया।

आज यहां पटेल नगर क्षेत्र में स्पीड ब्रेकरों की कमी और सफाई व्यवस्था की समस्याओं की शिकायतों के चलते क्षेत्रवासियों के साथ कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान पटेल नगर क्षेत्र के विजय रतूड़ी मार्ग, गुरुराम राय स्कूल चौक, स्टेपिंग स्टोन चौक, गुरु रोड, आर्य समाज मंदिर चौक, प्रेम सुख धाम चौक व अन्य चौराहों का निरीक्षण कर स्थानीय लोगों से समस्याओं की जानकारी ली। इस अवसर पर कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर ने कहा कि ट्रिपल इंजन की भाजपा सरकार होने के बावजूद भी जनता को ऐसी मूलभूत समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जो सरकार और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि कैंट विधानसभा में 35 वर्षों से अधिक समय से भाजपा का विधायक होने के बावजूद भी यदि जनता को आज बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझना पड़ रहा है, तो यह तथाकथित विकास के दावों की पोल खोलता है। उन्होंने संबंधित विभागों से मांग की कि चिन्हित स्थानों पर शीघ्र स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं और क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को भी तत्काल दुरुस्त किया जाए। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं व क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर नगर निगम व संबंधित विभागों का घेराव भी किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान पटेलनगर पश्चिम वार्ड के कांग्रेस नेता सौरभ शर्मा व स्थानीय निवासियों ने बताया कि कई प्रमुख चौराहों और मार्गों पर स्पीड ब्रेकर न होने के कारण तेज रफ्तार वाहनों से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। वहीं कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था दुरुस्त न होने से गंदगी की समस्या बनी रहती है, जिससे स्थानीय लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस अवसर पर कांग्रेस प्रवक्ता अभिनव थापर के साथ सौरभ शर्मा, पूर्व पार्षद चरणजीत कौशल, वार्ड अध्यक्ष हेमंत माटा, दिव्यांत जोशी, नेहा शर्मा, नीलम शर्मा, देवेंद्र कौर, विभा जैन, आरती अग्रवाल, युवा कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष मोहित मेहता, जसविंदर सिंह मोंटी, हरप्रीत सिंह, मदन मोहन, मेघराज राठौर, अमित राय, गुरदीप रावत, सुनील रतूड़ी, रमण सेठी, अनुज कुमार, विशाल बंसल, गौरव मेहंदीरत्ता, महेंद्र गुप्ता, हरिंदर सिंह बेदी, भारत शर्मा एवं प्रेम भारती सहित क्षेत्र के अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता व स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

श्री माँ कात्यायनी मंदिर, ज्ञान करतार आश्रम में चैत्र नवरात्र महोत्सव का आयोजन 19 मार्च से

संवाददाता

ऋषिकेश। श्री माँ कात्यायनी मंदिर, ज्ञान करतार आश्रम में आगामी 19 मार्च से चैत्र नवरात्र महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया जाएगा।

आज यहां शीशम झाड़ी स्थित श्री माँ कात्यायनी मंदिर, ज्ञान करतार आश्रम में आगामी 19 मार्च से चैत्र नवरात्र महोत्सव का भव्य शुभारंभ किया जाएगा। इस पावन अवसर पर सुबह 10 बजे कलश स्थापना के साथ नौ दिवसीय नवरात्र उत्सव की शुरुआत होगी। नवरात्र के इन नौ दिनों में प्रतिदिन शाम साढे सात बजे से रात साढे दस बजे तक विभिन्न कलाकारों द्वारा माँ भगवती का भव्य भजन-कीर्तन एवं गुणगान प्रस्तुत किया जाएगा। जिससे श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो सकेंगे। हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्र का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इस दौरान श्रद्धालु माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं और नौ दिनों तक व्रत रखकर देवी की आराधना करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, नवरात्र के पावन दिनों में की गई पूजा, साधना और भक्ति से घर-परिवार में सुख-समृद्धि आती है तथा जीवन की बाधाएं और कष्ट दूर होते हैं। इस भव्य धार्मिक आयोजन को सफल बनाने के लिए मंदिर के व्यवस्थापक गुरविंदर सलूजा की अध्यक्षता में मंदिर परिसर में ट्रस्ट सदस्यों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्था, सुरक्षा, श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को लेकर विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में मुख्य रूप से सुनील, नमिता सलूजा, परमेश्वर , गुलाब, नीरज आदि उपस्थित थे। मंदिर ट्रस्ट के व्यवस्थापक गुरविंदर सलूजा ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर माँ कात्यायनी का आशीर्वाद प्राप्त करने और कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

जनरल बिपिन रावत की जयंती पर सैनिक कल्याण मंत्री ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। जनरल विपिन रावत की जयंती पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने उनको श्रद्धांजलि अर्पित की।

आज यहां सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने देश के प्रथम सीडीएस स्व. जनरल बिपिन रावत की जयंती के अवसर पर देहरादून के कनक चौक स्थित जनरल बिपिन रावत पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने जनरल बिपिन रावत को स्मरण करते हुए कहा कि वे हमेशा पहाड़ और वहां के युवाओं के हितों के प्रति संवेदनशील रहे। उन्होंने कहा कि जब वे जनरल बिपिन रावत से पहाड़ के युवाओं को सेना में भर्ती के दौरान लंबाई में छूट देने के संबंध में मिले थे, तब उन्होंने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए स्वीकृति प्रदान की। इसके परिणामस्वरूप उत्तराखंड के युवाओं को सेना भर्ती में लंबाई में 5 सेंटीमीटर की छूट मिलना संभव हो पाया।

सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों के विकास के लिए भी जनरल बिपिन रावत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।उनके प्रयासों से पिथौरागढ़ और जोशीमठ में सेना की दो ब्रिगेडों के माध्यम से सीमावर्ती गांवों के विकास और उन्हें संवारने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनरल बिपिन रावत की स्मृतियों को सहेजने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा देहरादून के गुनियाल गांव में निर्माणाधीन भव्य सैन्य धाम के मुख्य द्वार का नाम स्व. सीडीएस जनरल बिपिन रावत के नाम पर रखा गया है। मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित शहीद सीडीएस जनरल बिपिन रावत का योगदान देश हमेशा स्मरण रखेगा और उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्रोत बना रहेगा। इस अवसर पर कैंट विधायक सविता कपूर, सचिव सैनिक कल्याण युगल किशोर पंत, मेजर जनरल गुलाब सिंह रावत (सेनि), निदेशक सैनिक कल्याण श्याम सिंह, जनरल बिपिन रावत के परिवारजन, ब्रिगेडियर केजी बहल (सेनि), मण्डलाध्यक्ष प्रदीप रावत, राजीव गुरुंग सहित पूर्व सैनिक एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

गैस सिलिंडर के लिए घंटों इंतजार के बाद खाली हाथ लौटे

नई टिहरी(आरएनएस)। घनसाली गैस गोदाम में भी सुबह से ही भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। कई घंटों तक लाइन में खड़े रहने के बाद पता चला कि गैस नहीं मिलेगी। इस पर लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि स्पष्ट जानकारी नहीं मिलने से उन्हें रोज एजेंसी के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। लंबे इंतजार के बाद भी लोगों को खाली लौटना पड़ रहा है। लोगों ने कहा कि जब रसोई गैस की कोई किल्लत नहीं है, तो पहले की तरह होम डिलीवरी क्यों नहीं दी जा रही है। उन्होंने रसोई गैस आपूर्ति नियमित कराने की मांग की है। इस बावत एसडीएम अलकेश नौडियाल ने कहा कि घरेलू सिलिंडरों की कोई कमी नहीं है। व्यावसायिक गैस की आपूर्ति पर फिलहाल रोक लगाई गई है। पूर्ति निरीक्षक अमित भंडारी ने कहा कि आज शनिवार के लिए डिमांड भेजी गई है। सप्लाई समय पर मिल गई तो पहले की तरह ही गैस वितरित की जाएगी।

मनोज डोभाल, डीएसओ टिहरी का कहना है कि रसोई गैस की सप्लाई पहले की तरह आ रही है। सिलिंडर लेकर गोदाम पहुंचने से होम डिलीवरी नहीं कर पा रहे हैं। सभी रसोई गैस उपभोक्ता दिए गए नंबर पर ऑन लाइन और ऑफिस में जाकर ऑफ लाइन भी बुक कर सकते हैं। उसके बाद होम डिलीवरी दी जाएगी। ई-केवाईसी और 25 दिन वाली शर्त भी अनिवार्य की गई है।

नदी से हो रहे भूकटाव से हवा में झूल रहे बिजली के पोल

चमोली(आरएनएस)। नंदप्रयाग से नंदानगर क्षेत्र के लिए गुजर रही 33 केवी की बिजली लाइन के पोल हवा में झूल रहे हैं। नंदाकिनी नदी से हो रहे भूकटाव से दो जगहों पर विद्युत पोल बिजली लाइन सहित हवा में झूल रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऊर्जा निगम के अधिकारियों को कई बार अवगत कराने पर भी लाइन को बदला नहीं जा रहा है। इससे कभी भी क्षेत्र में बड़ी अनहोनी हो सकती है। सब स्टेशन से निकल रही इस विद्युत लाइन से नंदाकिनी नदी के किनारे से होते हुए नंदानगर क्षेत्र के गांवों में बिजली सप्लाई की जाती है। नंदाकिनी नदी के किनारे भूकटाव होने से दो जगहों पर बिजली के पोल के नीचे से जमीन खिसक गई है। इससे कभी भी पोल क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। मंगरोली के कुंवर कंडेरी और तेजवीर कंडेरी का कहना है कि इस क्षेत्र में लोगों की लगातार आवाजाही रहती है। बिजली के पोल यदि नीचे गिरे तो क्षेत्र में बड़ी अनहोनी हो सकती है। ऊर्जा निगम के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया मगर इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इधर ऊर्जा निगम के अधिशासी अभियंता प्रदीप कुमार का कहना है कि नदी से हो रहे कटाव से दो जगहों पर बिजली के पोल असुरक्षित हो गए हैं। यहां लाइन को बदलवाने के लिए शासन को इस्टीमेट भेजा गया है। धनराशि स्वीकृत होते ही लाइन को बदल लिया जाएगा।

भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का किया जा रहा ट्रीटमेंट

चमोली(आरएनएस)। तहसील जिलासू के अंतर्गत राजकीय जूनियर हाईस्कूल क्वींठि में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का ट्रीटमेंट किया जा रहा है। 25 लाख की लागत से विद्यालय के मुख्य भवन के आगे और पीछे सुरक्षा दीवार बनाई जा रही है। बीती बरसात में भूस्खलन होने से विद्यालय के दो मंजिला भवन को खतरा हो गया था। तब से टिन शेड में कक्षाओं का संचालन किया जा रहा था। विद्यालय में वर्तमान में 49 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। पीटीए अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत ने बताया कि विद्यालय में क्वींठि, कांडा तोली आदि गांवों के छात्र-छात्राएं पढ़ाई के लिए आते हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग से जल्द भूस्खलन जोन के ट्रीटमेंट करने की मांग उठाई। वहीं प्रधानाचार्य महावीर सिंह जग्गी ने बताया कि सुरक्षा दीवार बनने से विद्यालय भवन सुरक्षित होगा। वहीं पोखरी के प्रभारी खंड शिक्षा अधिकारी विनोद सिंह का कहना है कि विद्यालय के भूस्खलन जोन के ट्रीटमेंट के लिए बजट जारी किया गया है। साथ ही कार्यदायी संस्था को पारदर्शिता के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं।

50 प्रतिशत से कम वसूली करने वाले सचिवों का रोका जाएगा वेतन

पौड़ी(आरएनएस)। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया की अध्यक्षता में जिला कार्यालय स्थित एनआईसी कक्ष में शुक्रवार को जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सहकारी देयों की वसूली की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि वसूली कार्य में बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियों के सचिवों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है और इसमें लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। जिन समितियों ने 50 प्रतिशत से कम वसूली की गई है, उनके सचिवों का वेतन रोका जाएगा। वहीं, 90 प्रतिशत से अधिक वसूली करने वाली समितियों को प्रोत्साहन स्वरूप सम्मानित करने के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में अभी तक सहकारी समितियों का गठन नहीं हुआ है, वहां नई बहुउद्देशीय समितियों के गठन की प्रक्रिया तेज की जाए। उन्होंने समितियों को प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। जिला सहकारिता निबंधक सौरभ कुमार ने सहकारिता विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं, समितियों की गतिविधियों व आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। बैठक में सहकारी समितियों के माध्यम से पशु चिकित्सा केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई।

बिजली और पानी के बकाया बिल जमा करने में हांफ रहे विभाग

पौड़ी (आरएनएस)। बिजली और पानी के बिलों को जमा करने के मामले में सरकारी विभाग भी फिसड्डी साबित हो रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस समेत विभिन्न विभागों पर इस वित्तीय वर्ष में 348.11 लाख रुपये का बकाया है। वहीं, 7,477 गैर सरकारी उपभोक्ताओं पर विभाग की 253.77 लाख की देनदारी है। पानी के बिल के संबंध में भी विभागों की यही स्थिति बनी हुई है। विभिन्न विभागों पर पानी का 34,26,224 रुपये का भुगतान लंबित है।

ऊर्जा निगम के मुताबिक विद्युत वितरण खंड पौड़ी, श्रीनगर, कोटद्वार व नैनीडांडा में शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, पुलिस, लोनिवि व वन विभाग पर कुल 348.11 लाख की देनदारी है। नैनीडांडा में इन विभागों के 1471 विद्युत संयोजनों के सापेक्ष 57.16 लाख का बकाया है। वहीं, 1224 गैर सरकारी उपभोक्ता पर 44.18 लाख की देनदारी है। कोटद्वार में विभिन्न विभागों के 282 संयोजनों पर 35.21 लाख का बकाया है। विद्युत वितरण खंड श्रीनगर में सर्वाधिक 4296 उपभोक्ताओं पर 121.99 लाख समेत कुल 4399 संयोजनों के सापेक्ष 134.10 लाख का बकाया है। पौड़ी में शिक्षा विभाग के सर्वाधिक 456 संयोजनों पर 17.29 लाख और 1957 उपभोक्ताओं पर 87.60 लाख का भुगतान लंबित है।

ऊर्जा निगम के अनुसार पौड़ी, कोटद्वार, श्रीनगर और नैनीडांडा में सर्वाधिक 906 संयोजन हैं, इसके सापेक्ष विभाग पर कुल 41 लाख की धनराशि का बकाया है। पौड़ी में विभाग के 456 संयोजन पर 17.29 लाख, श्रीनगर के 76 संयोजनों पर 5.28 लाख, कोटद्वार के 193 संयोजनों पर 13.54 लाख और नैनीडांडा के 181 संयोजनों पर 4.89 लाख की देनदारी है। मुख्य शिक्षा अधिकारी अंत्रेश सयाना का कहना है कि विद्यालयों से रिपोर्ट मंगवाई जा रही है। माह के अंत तक बिल जमा कर दिया जाएगा।

पौड़ी में पेयजल बकाये के मामले में भी 20 विभागों पर 34,26,224 रुपये की देनदारी है। बकायेदारों में सर्वाधिक देनदारी बीडीओ खिर्सू पर है। खंड कार्यालय खिर्सू को 4,36,961 रुपये का भुगतान करना है। जबकि क्षेत्रीय विकास कार्यालय खिर्सू पर 97,635 रुपये, पौड़ी कोतवाली पर 70,249 रुपये, आयुक्त ग्राम्य विकास कार्यालय पर 87,188 रुपये का बकाया है। अपर सहायक अभियंता रविदत्त का कहना है कि सभी संबंधितों को नोटिस जारी कर बिल जमा करने को कहा गया है।

नुक्कड़ नाटक से लोगों को दिया स्वच्छ भारत का संदेश

बागेश्वर(आरएनएस)। नगर पंचायत गरुड़ की ओर से स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से गरुड़ बाजार में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के महत्व और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया।

नुक्कड़ नाटक के जरिए कलाकारों ने लोगों को कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फैलाने, शौचालय के नियमित उपयोग, सूखा और गीला कचरा अलग-अलग रखने तथा पॉलीथीन का उपयोग न करने का संदेश दिया। नाटक के माध्यम से यह बताया गया कि स्वच्छता केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। नगर पंचायत अध्यक्ष भावना वर्मा और नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी धीरज कांडपाल ने बताया कि नगर क्षेत्र में लगातार स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए जनसहभागिता बेहद जरूरी है।नागरिकों से अपील की कि वे कूड़ा निर्धारित स्थानों पर ही डालें, गीले और सूखे कचरे को अलग रखें तथा पॉलीथिन का उपयोग न करें। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से ही गरुड़ नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सकता है।

पारदर्शिता से हो रसोई गैस की होम डिलीवरी: भट्ट

हल्द्वानी(आरएनएस)। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री व सांसद अजय भट्ट ने कहा है कि क्षेत्र में घरेलू एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने लोगों से धैर्य के साथ होम डिलीवरी के माध्यम से ही गैस प्राप्त करने की अपील की है। भट्ट ने राज्य के मुख्य सचिव और नैनीताल और ऊधमसिंह नगर के जिलाधिकारियों से फोन पर वार्ता कर पारदर्शी व्यवस्था से सिलेंडर आवंटित करने के निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को सांसद भट्ट ने मुख्य सचिव आनंद वर्धन से फोन पर गैस वितरण को लेकर जानकारी ली। उन्होंने बताया कि लोकसभा में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने स्पष्ट कहा है कि देश में पेट्रोलियम व गैस की किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। ऐसे में राज्य के लोगों को बिना परेशान हुए गैस बुकिंग कराकर होम डिलीवरी करने को कहा है। डीएम नैनीताल ललित मोहन रयाल और ऊधमसिंह नगर के डीएम नितिन भदोरिया से वार्ता कर कहा कि गोदाम में लोगों की लाइन न लगे इसलिए पारदर्शी तरीके से होम डिलीवरी की व्यवस्था की जाए।

डीएम ने गोवंश संरक्षण के लिए कार्य करने के निर्देश दिए

चम्पावत(आरएनएस)। चम्पावत में डीएम मनीष कुमार ने टनकपुर के ईओ का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। ईओ के पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक में गैर मौजूदगी पर उन्होंने ये कार्रवाई की। बैठक में डीएम ने गोवंश संरक्षण के लिए कार्य करने के निर्देश दिए। चम्पावत में शुक्रवार को पशु क्रूरता निवारण समिति की बैठक हुई। बैठक में अनुपस्थित रहने पर डीएम ने टनकपुर के ईओ के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने सभी निकायों को निराश्रित पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने को कहा। उन्होंने सभी एसडीएम को गोशालाओं का स्थलीय निरीक्षण करने के निर्देश दिए। आरडब्ल्यूडी के ईई को 500 से 1000 गोवंश की क्षमता की गोशाला निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने को कहा। लावारिस पशुओं को छोड़ने वालों पर नजर रखने के लिए मुख्य मार्गों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। बंदरों की बढ़ती संख्या से निजात पाने के लिए कार्य योजना बनाने को कहा। बैठक में सीवीओ डॉ. वसुंधरा गर्ब्याल, चम्पावत के ईओ भरत त्रिपाठी, लोहाघाट के सौरभ नेगी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

चैती इलाके में दो तेंदुओं की मूवमेंट, दहशत

काशीपुर(आरएनएस)। चैती इलाके में दो तेंदुओं की मूवमेंट देखे जाने से स्थानीय लोगों में डर का माहौल बन गया है। इस क्षेत्र में जल्द ही उत्तर भारत का प्रसिद्ध चैती मेला भी शुरू होने वाला है। ऐसे में लोगों की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, चैती के पास स्थित ब्लॉक ऑफिस के सामने वाली गली में दो तेंदुए घूमते हुए नजर आए। इस घटना के सामने आने के बाद इलाके में रहने वाले लोगों के बीच दहशत का माहौल बन गया है। यह गतिविधि सीसीटीवी कैमरों में साफ तौर पर कैद हो गई है। फुटेज में देखा जा सकता है कि देर रात दो तेंदुए सड़क और आसपास के क्षेत्र में घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं। जैसे ही यह जानकारी आसपास के लोगों तक पहुंची, लोग काफी घबरा गए और उन्होंने रात के समय घरों से बाहर निकलना कम कर दिया। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि जिस जगह तेंदुओं की मूवमेंट देखी गई है, उसी के पास चैती ग्राउंड स्थित है, जहां जल्द ही उत्तर भारत का प्रसिद्ध चैती मेला शुरू होने वाला है।

इस मेले में हर साल बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। ऐसे में तेंदुओं की मौजूदगी से मेले में आने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। स्थानीय निवासी और अधिवक्ता आकाश वर्मा ने बताया कि इलाके में काफी समय से झाड़ियों और घास की ठीक से सफाई नहीं हुई है। इसी कारण जंगली जानवरों की आवाजाही बढ़ती जा रही है।

उनका कहना है कि तेंदुओं की मौजूदगी से आसपास रहने वाले लोग काफी डरे हुए हैं और अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। स्थानीय निवासियों ने वन विभाग से मांग की है कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए।

लोगों का कहना है कि वन विभाग को इलाके में गश्त बढ़ानी चाहिए और तेंदुओं को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर भेजना चाहिए, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना होने से पहले स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। फिलहाल इस घटना के बाद पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ गई है।

रोजाना 5 मिनट का ध्यान जीवन को बनाता है बेहतर, इस तरह करें दिनचर्या में शामिल

ध्यान एक ऐसा अभ्यास है, जो हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप रोजाना केवल 5 मिनट का ध्यान करते हैं तो इससे आपके जीवन में कई सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। यह न केवल आपको तनाव मुक्त करता है, बल्कि आपके मन को भी शांत करता है और आपको अधिक केंद्रित रहने में मदद करता है। आइए जानते हैं कि कैसे 5 मिनट का ध्यान आपके जीवन को बेहतर बना सकता है।

ध्यान लगाने से करें सुबह की शुरुआत

सुबह का समय सबसे अधिक सकारात्मक ऊर्जा से भरा होता है। जब आप सुबह उठते हैं तो आपका मन शांत और ताजगी से भरा होता है। इस समय 5 मिनट का ध्यान करना आपके दिन की शुरुआत को बेहतर बना सकता है। यह आपको पूरे दिन ऊर्जा और उत्साह से भर रख सकता है। इसके अलावा यह आपके मन को स्थिर करता है और आपको अधिक केंद्रित और सकारात्मक महसूस करवाता है।

खाने के दौरान लगाएं ध्यान

खाने का समय भी ध्यान लगाने का एक अच्छा अवसर हो सकता है। जब आप खाना खा रहे हों तो हर निवाले को ध्यानपूर्वक चखें और उसका आनंद लें। इससे न केवल आपका भोजन अधिक स्वादिष्ट लगेगा, बल्कि आप अधिक संतुष्ट भी महसूस करेंगे। यह अभ्यास आपको अपने भोजन के प्रति जागरूक बनाता है और खाने की आदतों को सुधारने में मदद करता है। इससे आप अधिक संतुलित और सेहतमंद भोजन का अनुभव कर पाएंगे।

चलने के दौरान लगाएं ध्यान

चलना एक प्राकृतिक गतिविधि है, जिसे हम सभी करते हैं। अगर आप चलते समय 5 मिनट का ध्यान लगाते हैं तो यह आपके मन को स्थिर करता है और आपको अधिक केंद्रित बना सकता है। आप अपने कदमों पर ध्यान दें, सांसों की आवाज सुनें और अपने आस=पास की प्रकृति का आनंद लें। इससे न केवल आपका मन शांत होगा, बल्कि आप अधिक ऊर्जा और उत्साह से भरपूर महसूस करेंगे। यह अभ्यास आपको मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखेगा।

सोने से पहले लगाएं ध्यान

सोने से पहले का समय भी बहुत अहम होता है। इस समय 5 मिनट का ध्यान करने से आपका मन शांत हो सकता है और नींद जल्दी आ सकती है। आप अपने दिनभर के अनुभवों पर विचार करें, सकारात्मक सोचें और नकारात्मक विचारों को दूर करें। इससे आपकी नींद गहरी होगी और आप सुबह ताजगी महसूस करेंगे। यह अभ्यास आपको मानसिक शांति और शारीरिक आराम प्रदान करेगा, जिससे आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

काम करने के दौरान लगाएं ध्यान

काम करते समय भी छोटे-छोटे ब्रेक लेकर आप ध्यान लगा सकते हैं। जब भी आपको लगे कि आप थक रहे हैं या आपका ध्यान भटक रहा है, थोड़ी देर रुके, गहरी सांस लें और अपने मन को स्थिर करें। इससे आपकी उत्पादकता बढ़ेगी और आप अधिक केंद्रित रहेंगे। इन सरल तरीकों से आप अपने रोजमर्रा के जीवन में आसानी से ध्यान को शामिल कर सकते हैं और इसके फायदों का पूरा लाभ उठा सकते हैं।

माइग्रेन के कारण पेटदर्द की हो सकती है समस्या

क्या आपको पता है कि माइग्रेन के कारण पेट दर्द की समस्या भी हो सकती है। जी हां, माइग्रेन सिर्फसिर में ही नहीं, बल्कि पेट में भी हो सकता है। पेट में होने वाले माइग्रेन को ऐब्डॉमिनल माइग्रेन कहते हैं और इसकी वजह से आपको तेज दर्द, मरोड़, थकान और उल्टी हो सकती है। पेट का माइग्रेन आमतौर पर अनुवांशिक होता है और छोटे बच्चों को होता है। इसका सबसे ज्यादा खतरा उन बच्चों को होता है जिनके माता-पिता पहले से माइग्रेन के शिकार हैं। बच्चों में भी इस तरह के माइग्रेन के मामले सबसे ज्यादा लड़कियों में देखे गए हैं। जिन बच्चों को बचपन में एब्डॉमिनल माइग्रेन की शिकायत होती है, बड़े होकर उन्हें सिर का माइग्रेन होने की संभावना भी बहुत ज्यादा होती है। ऐब्डॉमिनल माइग्रेन के सही-सही कारण का अब तक पता नहीं लगा है, लेकिन डॉक्टर मानते हैं कि शरीर में बनने वाले दो कंपाउंड हिस्टामाइन और सेरोटोनिन इस तरह के दर्द के जिम्मेदार होते हैं। शरीर में ये दोनों ही कंपाउंड ज्यादा चिंता करने और अवसाद के कारण बनते हैं। चाइनीज फूड्स और इंस्टैंट नूडल्स में इस्तेमाल होने वाला मोनोसोडियम ग्लूटामेट या एमएसजी, प्रोसेस्ड मीट और चॉकलेट के ज्यादा सेवन से भी शरीर में ये कंपाउंड बनते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

एआई जनित कला में आत्मा का अभाव

रजनीश कपूर

एआई का सबसे घातक प्रभाव रचनात्मकता पर पड़ रहा है। पहले कलाकार, लेखक और संगीतकार अपनी कल्पना से कृतियां रचते थे। अब मिडजर्नी या डैल-ई जैसे टूल्स प्रॉम्प्ट पर चित्र बना देते हैं, वो भी सुंदरता भरे। लेकिन क्या यह रचनात्मकता है? शिखर सम्मेलन में भारतीय कलाकारों ने प्रदर्शन किया कि एआई जनित कला में आत्मा का अभाव है। यह डेटा पर आधारित नकल मात्र है।

अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है। स्मार्टफोन से लेकर स्मार्ट होम तक, हर जगह एआई की छाप दिखाई देती है। इस सप्ताह नई दिल्ली में शुरू हुए अंतरराष्ट्रीय एआई प्रभाव शिखर सम्मेलन में विश्व के नेता और विशेषज्ञ इसी पर चर्चा कर रहे हैं। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एआई के वैश्विक प्रभावों को समझना और नीतियां बनाना है,

लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या हम एआई को अपनाते हुए अपनी स्वतंत्रता और रचनात्मकता को खो नहीं रहे? एआई ने सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन साथ ही हमें इतना आश्रित बना दिया है कि बिना इसके सोचना भी मुश्किल हो गया है। सोचने वाली बात यह भी है कि कैसे एआई जीवन को सरल बना रहा है, लेकिन रचनात्मकता को नष्ट कर रहा है।

एआई की निर्भरता अब दैनिक जीवन का हिस्सा बन गई है। कल्पना कीजिए, सुबह उठते ही गूगल असिस्टेंट या सिरी आपको मौसम, ट्रैफिक और समाचार बता देता है। कार्यालय में ईमेल लिखने से लेकर डेटा विश्लेषण तक, चैटजीपीटी जैसे टूल्स सब कुछ तुरंत कर देते हैं। भारत में, जहां डिजिटल इंडिया अभियान ने 80 करोड़ से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता पैदा किए हैं, एआई आधारित ऐप्स जैसे उबर, जोमैटो, ब्लिंकिट आदि ने जीवन को अभूतपूर्व सरलता प्रदान की है।

दिल्ली में हुआ अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में अमेरिकी विशेषज्ञों ने बताया कि एआई ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में 15 ट्रिलियन डॉलर का योगदान दिया है, लेकिन यह निर्भरता खतरनाक साबित हो रही है। एक सर्वे के अनुसार, 70% युवा बिना एआई टूल्स के रिसर्च नहीं कर पाते। समस्या तब गंभीर हो जाती है जब बिजली चली जाए या इंटरनेट कनेक्टिविटी बाधित हो जाए तो लोग हतप्रभ रह जाते हैं।

यह निर्भरता शिक्षा क्षेत्र में सबसे अधिक दिखाई दे रही है। छात्र अब निबंध लिखने के बजाय एआई से कॉपी-पेस्ट कर लेते हैं। कोटा के कोचिंग संस्थानों से लेकर आईआईटी तक, एआई टूल्स ने होमवर्क को आसान बना दिया, लेकिन समझ की गहराई कम कर दी। शिखर सम्मेलन के एक सत्र में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि एआई जनित सामग्री से छात्रों की आलोचनात्मक सोच 30% घटी है। भारत में एनसीईआरटी ने एआई उपयोग पर दिशानिर्देश जारी किए हैं, लेकिन फ़िलहाल इसका अमल कमजोर है। परिणामस्वरूप, आने वाली पीढ़ी समस्या-समाधान के बजाय प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग' सीख रही है, यानी एआई को सही सवाल कैसे पूछें। यह निर्भरता मानसिक आलस्य को जन्म दे रही है, जहां स्वयं सोचने की क्षमता क्षीण हो रही है।

एआई का सबसे घातक प्रभाव रचनात्मकता पर पड़ रहा है। पहले कलाकार, लेखक और संगीतकार अपनी कल्पना से कृतियां रचते थे। अब मिडजर्नी या डैल-ई जैसे टूल्स प्रॉम्प्ट पर चित्र बना देते हैं, वो भी सुंदरता भरे। लेकिन क्या यह रचनात्मकता है? शिखर सम्मेलन में भारतीय कलाकारों ने प्रदर्शन किया कि एआई जनित कला में आत्मा का अभाव है। यह डेटा पर आधारित नकल मात्र है। उदाहरणस्वरूप, बॉलीवुड में एआई स्क्रिप्ट राइटर आ रहे हैं, जो पुरानी फिल्मों के पैटर्न दोहराते हैं। नतीजा? नवीनता का लोप। एक अध्ययन बताता है कि एआई सहायता से बनी कहानियां 40प्रति. कम मूल होती हैं। लेखन में भी यही समस्यादिखाई दी जाती है। एआई से उत्पन्न संपादकीय या कविताएं सतही लगती हैं, क्योंकि उनमें व्यक्तिगत अनुभव का पुट नहीं।

रचनात्मकता नष्ट होने का एक कारण एआई की परफेक्शन' है। यह त्रुटिरहित उत्तर देता है, जिससे मानव प्रयास कमजोर लगने लगते हैं। कल्पना कीजिए एक चित्रकार को, वह घंटों ब्रश चलाता है, गलतियां सुधारता है और यही प्रक्रिया रचनात्मकता को परिपक्व बनाती है। परंतु एआई में यह संघर्ष नहीं होता। शिखर सम्मेलन के दौरान रिलीज हुई एक रिपोर्ट में कहा गया कि एआई ने वैश्विक पेटेंट आवेदनों में 25% वृद्धि की, लेकिन अधिकांश इंक्रीमेंटल' हैं, यानी नई खोजें कम हैं। भारत जैसे विकासशील देश में, जहां स्टार्टअप संस्कृति फल-फूल रही है, एआई निर्भरता नवाचार को कुचल सकती है। उदाहरण के तौर पर, फिनटेक क्षेत्र में एआई एल्गोरिदम ऋण स्वीकृति करते हैं, लेकिन सृजनात्मक समाधान गायब हैं।

एआई की निर्भरता का एक नमूना आज हर घर में दिखाई देता है। बच्चे आजकल हर ज़रूरत का सामान ऑनलाइन मंगवा लेते हैं। दुकान पर जाए बिना, किसी वस्तु की गुणवत्ता व मोल-भाव का युग अब बहुत कम दिखाई देता है।

ऐसे में इसका समाधान क्या है? सबसे पहले, शिक्षा में एआई को सहायक न मानकर चुनौती बनाएं। स्कूलों में एआई-मुक्त' घंटे रखें, जहां बच्चे स्वयं रचें। दूसरा, नीतियां बनाएं; जैसे यूरोप का जीडीपीआर, जो एआई पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। भारत को शिखर सम्मेलन से प्रेरणा लेनी चाहिए और एआई साक्षरता' अभियान चलाना चाहिए। तीसरा, रचनाकारों को प्रोत्साहित करें, उन्हें सरकारी अनुदान दें जो एआई-रहित कला को बढ़ावा दें। व्यक्तिगत स्तर पर, हमें डिजिटल डिटॉक्स' को भी अपनाना होगा।

एआई जीवन का हिस्सा बने रहना चाहिए, लेकिन इस पर निर्भरता और रचनात्मक विनाश को रोकना होगा। रचनात्मकता मानव का मूल गुण है, इसे बचाना हमारा कर्तव्य है।

शब्द सामर्थ्य -073

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

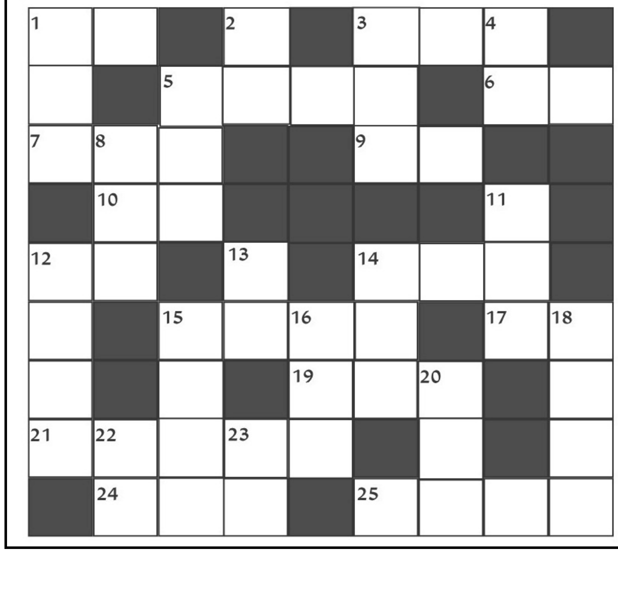

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 72 का हल

गु	मा	न			प	यो	द	
न		ह	क	दा	र		ल	य
ह	वा	ला	त		च		द	म
गा			रा	ज	म	ह	ल	
र	ई	स		ग		स		अ
	मा		प	त	वा	र		ल
ख	न	क	ना		ह	त		बे
स	दा		ह		वा		शो	ला
रा	र				ही	र	क	

संगीत शोबन की फिल्म राकासा 3 अप्रैल को विश्वव्यापी होगी रिलीज

राकासा के निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि फिल्म 3 अप्रैल, 2०26 को विश्व भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जेड स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत और पिंक एलिफेंट पिक्चर्स के बैनर तले निर्मित इस फिल्म को मानसा शर्मा ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि निहारिका कोनिडेला और उमेश कुमार बंसल इसके निर्माता हैं। फिल्म की रिलीज तिथि की घोषणा इस परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है और वर्तमान में यह पोस्ट-प्रोडक्शन में है। मुख्य शूटिंग पूरी होने के बाद, टीम फिल्म के संपादन, संगीत, साउंड डिजाइन और समग्र दृश्य प्रस्तुति को अंतिम रूप देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि पोस्ट-प्रोडक्शन प्रक्रिया को 3 अप्रैल 2०26 को इसकी नियोजित थिएटर रिलीज की दिशा में आगे बढ़ाया जा सके। फिल्म की रिलीज डेट के साथ ही एक नया पोस्टर भी जारी किया गया है, जो फिल्म के कल्पनाशील अंदाज और शैली को दर्शाता है। इसके साथ ही, यूट्यूब पर पहले से जारी किए गए टीज़र ने दर्शकों को राकासा की दुनिया की पहली झलक दिखाई। टीज़र ने कहानी के विशिष्ट विवरण देने के बजाय, फिल्म के माहौल को स्थापित किया, जिसमें हास्य, काल्पनिक तत्व और तनाव के क्षणों का मिश्रण है, जिससे बड़े पर्दे के लिए तैयार किए गए एक नाटकीय अनुभव की उम्मीदें बढ़ जाती हैं। अपनी घोषणा के बाद से ही, राकासा ने तेलुगु फिल्म जगत में लगातार दिलचस्पी जगाई है, जिसका श्रेय इसके विभिन्न शैलियों के मिश्रण और सधी हुई प्रचार रणनीति को जाता है। निर्माताओं ने धीरे-धीरे फिल्म का खुलासा करने की रणनीति अपनाई, जिससे चुनिंदा अपडेट्स के माध्यम से दर्शकों की उत्सुकता धीरे-धीरे बढ़ती गई। अब जब रिलीज़ डेट तय हो चुकी है, तो फिल्म अपने प्रचार के एक अधिक निश्चित चरण में प्रवेश कर चुकी है, जिससे दर्शकों और फिल्म उद्योग जगत को एक स्पष्ट समयसीमा का इंतज़ार है।

मुख्य भूमिकाओं में संगीत शोभन और नयन सारिका अभिनीत, फिल्म को एक मजबूत कलाकारों की टोली का समर्थन प्राप्त है जिसमें वेनेला किशोर, ब्रह्माजी, तनिकेला भरणी, आशीष विद्यार्थी, गेटअप श्रीनु, सुकविंदर सिंह, अरुणा बिक्शु, रमना भार्गव, वासु इंटुरी, रोहिणी और रोहन शामिल हैं। फिल्म के हास्य, चरित्र-चालित क्षणों और काल्पनिक कथा परतों को आकार देने में कलाकारों की टुकड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। फिल्म के निर्माण में विजय द्वारा कोरियोग्राफ किए गए एक्शन से भरपूर दृश्यों का एक बड़ा शेड्यूल शामिल था, जो दे कॉल हिम ओजी के लिए प्रसिद्ध हैं। इसके बाद कॉमेडी और कथात्मक दृश्यों का व्यापक निर्माण किया गया, जिससे फिल्म की संतुलित शैली सुनिश्चित हुई। सभी शूटिंग पूरी होने के बाद, पोस्ट-प्रोडक्शन का काम फिल्म के विजन को मजबूत करने, इसकी कलात्मकता को निखारने और सिनेमाघरों में रिलीज से पहले कथात्मक सामंजस्य सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। निर्माता निहारिका कोनिडेला, जिन्होंने कमेटी कुर्रोल्लू से मुख्यधारा के निर्माण जगत में कदम रखा, राकासा के साथ विषय-आधारित परियोजनाओं पर अपना ज़ोर जारी रखती हैं। इस परियोजना को ज़ेड स्टूडियोज़ का समर्थन प्राप्त है, जो इसकी अवधारणा और क्रियान्वयन में उनके विश्वास को दर्शाता है। तकनीकी दृष्टि से, राकासा में अनुदीप देव का संगीत, राजू एडुरोलू की छायांकन और अनवर अली का संपादन है। प्रोडक्शन डिज़ाइन का नेतृत्व रामंजनयुलु ने किया है, जबकि पुल्ला विष्णु वर्धन कला निर्देशक और संध्या सब्बवरपु वेशभूषा की देखरेख कर रही हैं। कार्यकारी निर्माण का कार्यभार मन्यम रमेश संभाल रहे हैं, प्रचार का प्रबंधन बियॉन्ड मीडिया और डिजिटल प्रमोशन का प्रबंधन टिकट फैक्ट्री द्वारा किया जा रहा है। 3 अप्रैल, 2०26 को विश्वव्यापी स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली राकासा अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है, और खुद को एक ऐसी फंतासी-कॉमेडी के रूप में स्थापित कर रही है जो सीधे बड़े पर्दे के दर्शकों और एक स्पष्ट रूप से परिभाषित रिलीज अवधि को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

फिल्म कल्कि 2 पर अमिताभ बच्चन ने दी बड़ी खबर!

साउथ सुपरस्टार प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी को लोगों द्वारा खूब पसंद किया गया था। अब इसके सीक्वल कल्कि 2 का इंतजार किया जा रहा है, जिसका हिस्सा महानायक अमिताभ बच्चन दोबारा होंगे। अपने हालिया व्लॉग में दिग्गज ने खुलासा किया है कि वह पिछले दिनों हैदराबाद में थे, जिस कारण अपने फैंस से मुलाकात नहीं कर सके। उन्होंने शहर से बाहर होने का कारण बताते हुए लिखा कि वह कल्कि 2 की शूटिंग में व्यस्त थे।

अमिताभ ने लिखे अपने व्लॉग में बताया कि कल्कि 2 की शूटिंग शुरू हो गई है। इसके लिए वह हैदराबाद में थे, जहां उन्होंने कमल हासन से मुलाकात की। उन्होंने लिखा, मैंने उन्हें (फैंस) को बताया था कि इस मैं नहीं आ पाऊंगा, क्योंकि मैं हैदराबाद में शूटिंग कर रहा था... लेकिन फिर भी वे आए... बता दें कि अमिताभ हर अपने घर के बाहर फैंस से मुलाकात करते हैं।

अमिताभ ने फैंस से माफी मांगते हुए फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें साझा कीं। इन तस्वीरों में उन्हें अश्वत्थामा के रूप में देखा जा सकता है, जिस किरदार को उन्होंने कल्कि 2898 एडी में निभाया था। इन झलकियों में सह-कलाकार कमल के साथ एक अनौपचारिक पल भी दिखाई दे रहा है। पिछले साल नाग अश्विन द्वारा निर्देशित इस सीक्वल से दीपिका पादुकोण के बाहर होने की खबर आई थी। चर्चा है कि उनकी जगह साई पल्लवी ले सकती हैं।

निर्मित कौर अहलूवालिया की दमदार वापसी, 4 साल बाद लंबे फॉर्मेट में किया कमबैक

अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया अपने करियर के एक नए और रोमांचक दौर में कदम रख रही हैं। वह अपने ओटीटी डेब्यू अब होगा हिसाब' के साथ लंबे फॉर्मेट की कहानी में वापसी कर रही हैं। फिल्मों में काम करने के बाद अब वह एक पूरी सीरीज़ के साथ फिर से सेट पर लौटी हैं, जो उनके अभिनय सफर में एक अहम बदलाव है।

यह शो उन्हें उस फॉर्मेट में वापस लेकर आया है, जिससे वह पहले जुड़ी रही हैं, लेकिन इस बार वह इसे एक नए अनुभव और नई सोच के साथ देख रही हैं।

निर्मित के लिए लंबे फॉर्मेट की कहानी में लौटना एक तरह से यादों भरा और रचनात्मक रूप से संतोष देने वाला अनुभव रहा। उनका मानना है कि लंबे फॉर्मेट की कहानियों में कलाकार को अपने किरदार को गहराई से समझने और जीने का ज़्यादा समय मिलता है। इससे भावनाओं और कहानी के उतार-चढ़ाव को बेहतर तरीके से महसूस किया जा सकता है।

अब होगा हिसाब' के सेट पर वापसी के बारे में निर्मित ने कहा, लंबे फॉर्मेट के सेट पर वापस आना शुरू में थोड़ा अवास्तविक सा लगा। फिल्मों में काम करने के बाद जब आप ऐसी कहानी में लौटते हैं जो समय के साथ आगे बढ़ती है, तो एक अलग ही उत्साह महसूस होता है। लंबे फॉर्मेट की सीरीज़ आपको अपने किरदार के साथ बैठने, उसकी परतों को समझने और उसके साथ आगे बढ़ने का मौका देती है। यहां आप एक भाव से दूसरे भाव में जल्दी-जल्दी नहीं जाते, बल्कि हर चीज़ को गहराई से महसूस करने का समय मिलता है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे अब होगा हिसाब' जैसी सीरीज़ में सबसे अच्छी बात यह लगती है कि इसमें अभिनय करने के लिए खुली जगह मिलती है। आप खामोशी, भावनाओं के बदलाव और किरदार के अलग-अलग पहलुओं को विस्तार से दिखा सकते हैं। एक कलाकार के लिए यह बहुत कीमती होता है, क्योंकि इससे आपका किरदार और कहानी से जुड़ाव और मज़बूत होता है। लंबे फॉर्मेट के शो के सेट पर लौटकर मुझे याद आया कि मुझे कहानी कहने से प्यार क्यों है। यह मेहनत भरा ज़रूर है, लेकिन उतना ही संतोष देने वाला भी है।

अब होगा हिसाब' के साथ निर्मित कौर अहलूवालिया एक बार फिर साबित कर रही हैं कि वह अलग-अलग फॉर्मेट में सहजता से काम कर सकती हैं। यह सीरीज़ उनका ओटीटी डेब्यू है और उनके अभिनय करियर के एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरुआत भी।

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित एक्शन-ड्रामा फिल्म राणाबली की पहली झलक जारी

मेकर्स ने वीडी14 की एक रोमांचक झलक दिखाई है, जिसमें विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना लीड रोल में हैं और इसे राहुल सांकृत्यान डायरेक्ट कर रहे हैं, जो प्रतिष्ठित बैनर मैत्री मूवी मेकर्स के तहत बन रही है। मेकर्स ने फिल्म के टाइटल के साथ-साथ रिलीज़ डेट की भी घोषणा की। रणबाली 11 सितंबर, 2०26 को दुनिया भर में रिलीज़ हो रही है।

कर्स्ड लैंड और उसके लेजेंडरी हीरो को पेश करने से पहले, मेकर्स ने ज़बरदस्त विज़ुअल्स और एक पावरफुल कहानी के ज़रिए भारत पर ब्रिटिश शासन को दिखाया है। राहुल सांकृत्यायन की नरेशन ब्रिटिश लोगों द्वारा किए गए अत्याचारों पर रोशनी डालती है, खासकर उन इलाकों में जिन्हें सर रिचर्ड टेम्पल जैसे अधिकारियों के तहत जानबूझकर सूखे वाले इलाके में बदल दिया गया था।

यह झलक हिटलर के होलोकॉस्ट से भी बड़े नरसंहार और भारत के बड़े पैमाने पर आर्थिक शोषण के बारे में बात करती है, ये खुलासे दर्शकों के दिलों को छूने वाले हैं। विजय देवरकोंडा ने रनाबाली का किरदार निभाया है, एक नए लुक और शानदार ट्रांसफॉर्मेशन के साथ एक दमदार और प्रभावशाली मौजूदगी पेश की है।

रश्मिका मंदाना ने जयम्मा का किरदार निभाया है। अर्नोल्ड वोस्लू, जो द ममी के लिए जाने जाते हैं, उन्होंने विलेन सर थियोडोर हेक्टर का किरदार निभाया है। एक खास पल जिसमें विजय एक ब्रिटिश अधिकारी को रेलवे ट्रैक पर घसीटते हुए घोड़े पर सवार दिख रहे हैं, उसने फिल्म की चर्चा को काफी बढ़ा दिया है।

राणाबली को नवीन यरनेनी और वाई. रवि शंकर बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस कर रहे हैं, और टी-सीरीज़ फिल्म को पेश कर रही है। यह फिल्म ब्रिटिश-युग की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसे एक पीरियड एक्शन ड्रामा के तौर पर बनाया जाएगा। 19वीं सदी में सेट यह फिल्म 1854 और 1878 के बीच हुई असली ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है, और इसे एक बड़े पैन-इंडिया प्रोजेक्ट के तौर पर बनाया जा रहा है।

रनाबाली 185० के दशक की असली घटनाओं से प्रेरित है जिन्हें मुख्यधारा की इतिहास की किताबों में जगह नहीं मिली। 185०-19०० के समय की असली घटनाओं पर आधारित, ऐसी घटनाएँ जिन्हें ब्रिटिश लोगों ने इतिहास में जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया और ऐसे किरदार जिन्हें उन्होंने जंगली और विद्रोही बताया। यह कोई बायोपिक नहीं है, और न ही किसी टेक्स्टबुक की कहानी है। राणाबली एक युग का सिनेमाई पुनर्निर्माण है जो कई असली कहानियों, मौखिक इतिहास और दबाए गए रिकॉर्ड से बनाया गया है। डियर कॉमरेड और खुशी जैसी सफल फिल्मों के बाद, यह विजय देवरकोंडा और मैत्री मूवी मेकर्स के बीच तीसरा कोलैबोरेशन है।

घोड़ा पड़ाव पार्किंग को कथित तौर पर गुपचुप तरीके से ठेके पर दिए जाने का विरोध

उत्तरकाशी (आरएनएस)। यमुनोत्री धाम के प्रमुख पड़ाव स्थल जानकीचट्टी में घोड़ा पड़ाव पार्किंग की ऊपरी मंजिल को कथित तौर पर गुपचुप तरीके से ठेके पर दिए जाने की चर्चा से क्षेत्र के घोड़ा-खच्चर संचालकों और डंडी-कंडी मजदूरों में आक्रोश व्याप्त है। मजदूर यूनियन से जुड़े लोगों का कहना है कि पार्किंग को ठेके पर देने से मजदूरों को मजबूरन रास्तों पर खड़ा रहना पड़ेगा। उनका कहना है कि इससे यात्रा मार्ग पर अव्यवस्था फैलने के साथ ही जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है, जिसका असर चारधाम यात्रा पर भी पड़ सकता है। मजदूरों के अनुसार जानकीचट्टी से यमुनोत्री धाम के बीच हजारों मजदूरों और घोड़ा-खच्चरों के ठहरने के लिए यही एक प्रमुख स्थान बनाया गया था। विशेष रूप से घोड़ा-खच्चर संचालकों और डंडी-कंडी मजदूरों के ठहराव की व्यवस्था इसी घोड़ा पड़ाव में की गई थी। मजदूर यूनियन से जुड़े मंगल सिंह, प्रमोद, विजयपाल, मुन्ना और स्थानीय निवासी प्रताप सिंह का कहना है कि यह निर्णय मजदूरों के अधिकारों पर कुठाराघात है। उन्होंने जिला प्रशासन और जिला पंचायत से इस फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की है। मजदूरों ने चेतावनी दी है कि यदि इस निर्णय को वापस नहीं लिया गया तो क्षेत्र के मजदूर और स्थानीय लोग आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस संबंध में प्रभारी एमएमए श्याम लाल का कहना है कि जिला पंचायत के एक्ट के अनुसार यह देखा जाएगा कि क्या मजदूरों के लिए सुरक्षित स्थान और ठहरने की निशुल्क व्यवस्था का प्रावधान है। यदि ऐसा कोई प्रावधान होगा तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

धरासू विद्युत गृह में मांगों पर ऊर्जा कर्मियों का प्रदर्शन

उत्तरकाशी(आरएनएस)। उत्तराखंड विद्युत अधिकारी कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के निर्देशानुसार धरासू विद्युत गृह में अधिकारियों, कर्मचारियों व उपनल कर्मियों ने गेट मीटिंग कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान ऊर्जा के तीनों निगम प्रबंधन को दिए गए 19 सूत्रीय मांगपत्र व जल विद्युत परियोजनाओं की भूमि अन्य व्यावसायिक कार्यों के लिए दिए जाने के विरोध में कर्मचारियों ने अपनी नाराजगी जताई। संघर्ष मोर्चा से जुड़े कर्मचारियों की ओर से विद्युत वितरण कंपनियों के निजीकरण के शासनादेश का भी विरोध किया गया। गेट मीटिंग में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए सरकार और शासन के प्रति रोष प्रकट किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 19 सूत्रीय मांगें पूरी नहीं की गई तो पूरे प्रदेश में संघर्ष मोर्चा के चरणबद्ध कार्यक्रम के तहत उग्र आंदोलन किया जाएगा। सभा का संचालन अवर अभियंता जगदीश नौटियाल ने किया, जबकि अध्यक्षता सहायक अभियंता संदीप नेगी ने की। इस अवसर पर अमित चौधरी, कमला राणा, दीक्षा चौहान, किशोर सिंह, नितिन कुमार, प्रदीप बागड़ी, इकमल सिंह, कामेश, सावन सिंह, अरशद अली खान, हेमंत, भुवन चंद्र, कंचन, विनोद चौहान, कुलवीर राणा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सू- दोकू क्र.073

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.72 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

गैस के संकट से लोगों को राहत नहीं मिल रही

ऋषिकेश(आरएनएस)। शहर समेत आसपास के क्षेत्रों में गैस के संकट से राहत नहीं मिल रही है। घरेलू गैस की बुकिंग के लिए टोल फ्री नंबर दगा दे रहा है, मगर ऑफलाइन बुकिंग से स्थानीय लोगों को राहत मिली है। बावजूद, यह तय नहीं बताया जा रहा है कि आखिर उनके घर तक सिलेंडर की डिलिवरी कब होगी? जिसके चलते लोगों में न सिर्फ भ्रम की स्थिति बनी हुई है, बल्कि उनकी मुश्किलें बढ़ रही हैं। शुक्रवार सुबह नगर क्षेत्र में संचालित गैस एजेंसियों के कार्यालयों में बुकिंग और तमाम तरह की दिक्कतों को लेकर स्थानीय लोगों का जमघट दिखा। समस्या लेकर दिनभर एजेंसियों के कार्यालय में लोगों का आना-जाना लग रहा गैस एजेंसियान निर्धारित नियम का हवाला देते हुए मानक पूरा होने पर भी गैस उपलब्ध कराने की बात कही। चौक-चौराहों से लेकर गलियों तक में गैस संकट की ही चर्चा सुनाई दी। आशुतोष नगर में संचालित अंकुर गैस एजेंसी में ४०० का बैकलॉग रहा, तो दूनमार्ग की त्रिवेणी एजेंसी में भी १,०८३ बैकलॉक होने से डिलिवरी को परेशानियां पैदा होने की स्थिति बनी दिखी। संचालक सुनील सेमवाल ने बताया कि ऐसा नहीं है कि घरेलू गैस का स्टॉक नहीं है। नियमित रूप से स्टॉक आ रहा है, जो कि बुकिंग के अनुरूप लोगों को गैस सिलेंडर के रूप में डिलीवर भी किया जा रहा है। बताया ऑफलाइन बुकिंग की सुविधा से भी उपभोक्ताओं का काफी राहत मिली है।

आपात स्थिति के मद्देनजर त्रिवेणी गैस सर्विस ने सरकारी दिशा-निर्देश पर स्वास्थ्य संस्थानों को भी गैस उपलब्ध कराई है। इसमें एम्स को सप्ताहभर के लिए दस सिलेंडर दिए गए हैं। जबकि, जौलीग्रांट के हिमालयन अस्पताल को भी २० सिलेंडर की सप्लाई हुई है। इसी क्रम में परमार्थ निकेतन आश्रम को २० और पंचवटी आश्रम के स्कूल को भी दस सिलेंडर की सप्लाई की गई है। एजेंसी संचालक सुनील सेमवाल ने बताया कि एम्स में महीनेभर में औसतन ५० सिलेंडर की सप्लाई एजेंसी से की जाती है।

पूर्ति विभाग ने एजेंसी संचालकों को इमरजेंसी स्टॉक रखने के भी निर्देश जारी कर दिए हैं। त्रिवेणी गैस सर्विस को आपात स्थिति के लिए ५० घरेलू और 15 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का स्टॉक रखने के लिए कहा गया है। पूर्ति निरीक्षक सुनील देवली ने बताया कि विभाग हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी कर चुका है। इस बाबत गैस एजेंसी संचालकों के साथ आवश्यक बैठक भी की जा चुकी है, जिसमें उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। गैस की कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

बोर्ड बैठक में सभासद ही नहीं पहुंचे

ऋषिकेश (आरएनएस)। मुनिकीरेती नगर पालिका क्षेत्र में विकास कार्यों पर चर्चा के लिए बुलाई गई बोर्ड बैठक को कोरम पूरा न होने के कारण स्थगित करना पड़ा। बैठक में अधिकांश सभासदों की अनुपस्थिति से पालिका प्रशासन को आधे घंटे तक इंतजार करना पड़ा, लेकिन पर्याप्त संख्या में सदस्य नहीं पहुंच सके। नगर पालिका की बोर्ड बैठक निर्धारित थी, जिसकी सूचना पालिका के सभी 11 सभासदों को लिखित रूप से भेजी गई थी। दोपहर करीब 12 बजे बैठक शुरू हुई, लेकिन उसमें केवल चार सभासद ही उपस्थित हुए। पालिकाध्यक्ष नीलम बिजल्वाण और ईओ अंकिता जोशी करीब आधे घंटे तक अन्य सभासदों के आने का इंतजार करती रहीं, मगर सात सभासद बैठक में नहीं पहुंचे।सभासदों की अनुपस्थिति के कारण कोरम पूरा नहीं हो सका, जिसके चलते बैठक को स्थगित करना पड़ा। ईओ अंकिता जोशी ने बताया कि कोरम पूरा न होने की वजह से बैठक आगे के लिए टाल दी गई है। जल्द ही नई तिथि तय कर बैठक आयोजित की जाएगी। मार्च माह में, जब वित्तीय वर्ष समाप्ति की ओर है, ऐसे समय में अहम बोर्ड बैठक में सभासदों की गैरमौजूदगी को लेकर दिनभर तरह-तरह की चर्चाएं भी चलती रहीं।

पूर्व विधायक सजवाण ने गाजणा क्षेत्र के गांवों में सुनीं जनसमस्याएं

उत्तरकाशी (आरएनएस)। गंगोत्री विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण ने गाजणा क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से भेंट की और उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने पोखरियालगांव, न्यूगांव, भेंत, सिरी, भड़कोट और कुमारकोट सहित कई गांवों में पहुंचकर लोगों के सुख-दुःख में सहभागिता की। उन्होंने ग्रामीणों के साथ क्षेत्र की जनसमस्याओं और समसामयिक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि गाजणा क्षेत्र हमेशा उनकी प्राथमिकताओं में रहा है और अपने विधायक कार्यकाल में क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयास किए गए। उन्होंने बताया कि जनसुविधाओं को ध्यान में रखते हुए गजणा क्षेत्र में उपतहसील की स्थापना कराई गई, जिससे स्थानीय लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। सजवाण ने बताया कि जलकुर नदी से काश्तकारी भूमि के कटाव को रोकने के लिए करोड़ों रुपये के सुरक्षा कार्य कराए गए। इसके साथ ही सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सड़कों, पुलों और विद्यालयी भवनों का निर्माण कराया गया। आईटीआई की स्थापना कर क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि आगे भी क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों के लिए वे हमेशा प्रतिबद्ध रहेंगे।

सभी 40 वार्डों के चौक-चौराहों को अतिक्रमणमुक्त करें

कोटद्वार(आरएनएस)। मिशन सांस्कृतिक कोटद्वार के प्रतिनिधिमंडल ने नगर निगम के सभी ४० वार्डों के चौक-चौराहों को अतिक्रमण मुक्त करने की मांग उठाई। उन्होंने इस संबंध में सिंचाई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष ऋषि कंडवाल को ज्ञापन सौंपा। कहा कि नगर निगम के सभी ४० वार्डों के मुख्य चौक चौराहों पर अतिक्रमण किया गया है जिससे चौक-चौराहों पर जाम की स्थिति बनी रहती है। साथ ही दुर्घटनाओं का अंदेशा भी बना हुआ है। मिशन सांस्कृतिक कोटद्वार के संयोजक पूर्व सैनिक सुनील बहुखंडी ने बताया कि उन्होंने इसके लिए १०१ सदस्यों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंपा। इस पर सिंचाई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष ने जिलाधिकारी पौड़ी, एसडीएम कोटद्वार और नगर आयुक्त नगर निगम कोटद्वार को अविलंब कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए पत्र जारी किए। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व सैनिक भगवती प्रसाद कंडवाल, समाज सेवी विक्रम सिंह नेगी, महेंद्र सिंह नेगी आदि शामिल रहे।

कार्यकर्ताओं को भाजपा की कार्य पद्धति से कराया अवगत

ऋषिकेश (आरएनएस)। ऋषिकेश के भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में संगठनात्मक जिला ऋषिकेश मंडल के पदाधिकारी एवं शक्ति केंद्र संयोजक और बूथ अध्यक्षों ने भाग लिया।

वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को भाजपा सरकार की उपलब्धियों, नीति, एसआईआर, एआई आदि के बारे में जानकारियां दी। साथ ही उन्हें भाजपा की कार्य पद्धति से भी अवगत कराया। दून मार्ग स्थित एक होटल में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में मुख्य वक्ता सह प्रभारी टिहरी गढ़वाल रविंद्र राणा ने भारतीय जनता पार्टी के कार्य पद्धति के बारे में बताया। द्वितीय सत्र में राज्यमंत्री सुभाष बर्थवाल ने कार्यकर्ताओं को भाजपा सरकार की उपलब्धियों और क्रियान्वयन के बारे में बताया।

तृतीय सत्र में प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी हिमांशु संगतानी ने सोशल मीडिया, एआई, नमो ऐप, सरल एप आदि के बारे में विस्तार जानकारियां दी। चौथे सत्र में प्रदेश महामंत्री संगठन अजय कुमार ने विचार रखे। उन्होंने बूथ प्रबंधन मन की बात एवं विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

मौके पर राज्यमंत्री गिरिश डोभाल, संदीप गुप्ता, इंद्र कुमार गोदवानी, कपिल गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र तड़ियाल, दीपक धमीजा, देवदत्त शर्मा, जयंत किशन, दिनेश सती, सतीश सिंह, अनिरुद्ध शर्मा, राजपाल ठाकुर, महेंद्र गुप्ता, राकेश कुमार, बृजमोहन मनोरी, सचिन अग्रवाल, अविनाश भारद्वाज, सौरभ गर्ग, पवन गोयल, ओम प्रकाश शर्मा, संजू कुड़ियाल, सरदार भानु प्रताप सिंह, ज्योति पांडे, दुर्गा जिंदल, सीमा रानी, पंकज गुप्ता, रेहा ध्यानि, संजय ध्यानी, पायल बिष्ट, माधवी गुप्ता, आशु डंग, हरीश तिवारी, राधेश्याम जाटव, प्रदीप कोहली, शुभम टुटेजा, राघव, हिमानी कौशिक, संगीता शर्मा, काजल अनुराधा, राजबाला, सुनीता गौड़, ललित शर्मा, संजय कौशिक, विजय प्रजापति, अनंत राम भट्ट, गंभीर मेवाड़, अशोक कुमार, रीना शर्मा आदि उपस्थित रहे।

23 मई को खुलेंगे श्री हेमकुंड साहिब के कपाट

संवाददाता

देहरादून। श्री हेमकुंड साहिब के मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन से मुलाकात कर बताया कि श्री हेमकुंड साहिब के कपाट 23 मई को खुलेंगे।

आज यहां सचिवालय में श्री हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर बिंद्रा ने मुख्य सचिव को अवगत कराया कि श्री हेमकुंड साहिब के कपाट आगामी 23 मई को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। भेंट के दौरान आगामी यात्रा व्यवस्थाओं तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं से संबंधित विषयों पर संक्षिप्त चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी लेते हुए हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया तथा इसके लिए स्थानीय प्रशासन को भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कबाड़ी बाजार में आग लगने से मचा हड़कंप

हमारे संवाददाता

देहरादून। पटेलनगर क्षेत्र में स्थित कबाड़ी बाजार में आज सुबह भीषण आग लगने से इलाके में अफरातफरी मच गई। आग इतनी भयावह थी कि साढ़े 11 घंटे बीत जाने के बाद भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका और कई स्थानों पर आग सुलगती रही।

जानकारी के अनुसार पटेलनगर कोतवाली के पीछे स्थित कबाड़ी बाजार में अचानक आग लग गई, जिसके बाद आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने कबाड़ के ढेरों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल की करीब 12 गाड़ियां मौके पर तैनात की गईं। दमकल कर्मी लगातार कई घंटों से आग पर काबू पाने के प्रयास में जुटे हुए हैं। कबाड़ी बाजार में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल गई, जिससे आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। समाचार लिखे जाने तक दमकल विभाग द्वारा आग को पूरी तरह बुझाने का प्रयास किया जा रहा था।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर स्कूटी सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोअर नेहरू ग्राम निवासी अमित सिंह बिष्ट ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता जसवन्त सिंह बिष्ट अपनी स्कूटी से घर की तरफ आ रहे थे जब वह एमईएस के पास पहुंचे तभी अज्ञात वाहन ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये जिनको आर्डिनेंस फैक्ट्री के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ऑनलाइन पौने दो लाख रुपए की ठगी

संवाददाता

देहरादून। टास्क देकर ऑनलाइन पौने दो लाख रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलाकुई निवासी नवीन कुमार ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर कॉल आयी और कॉल करने वाले ने उसको व्हटसएप ग्रुप व इस्टाग्राम में ग्रुप में उसको जोडकर टास्क देकर उससे एक लाख 73 हजार रूपये की ठगी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

राजधानी पर भाजपा-कांग्रेस की 'चुप्पी'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। चुनावी साल में आरोप-प्रत्यारोपों का दौर यह तो प्रजातंत्र में नेताओं के लिए खजाना है और इस खजाने से कब कौन सा अस्त्र बाहर निकालना है यह नेताओं को खूब पता होता है। बात चली है तो भाजपा और कांग्रेस के उस सफेद झूठ के बारे में करते हैं, जिसे बोलकर सत्ता पर काबिज होना इन दोनों दलों को अच्छी तरह से आता है। यह मुद्दा है प्रदेश की राजधानी की। राज्य बने 25 साल हो गए, लेकिन आज भी राज्य की राजधानी का मुद्दा हर चुनाव के समय उठ जाता है और शुरू हो जाता है आरोप-प्रत्यारोपों का दौर।

बता दें कि वर्ष 2000 में उत्तराखंड राज्य बना और राज्य की देहरादून को अस्थायी राजधानी बनाया गया। उस समय भी यह उम्मीद जताई गई थी कि भविष्य में राजधानी के प्रश्न पर व्यापक विचार किया जाएगा। लेकिन धीरे-धीरे समय बीतता गया और अस्थायी राजधानी स्थायी व्यवस्था का रूप लेती चली गई। राज्य के लोगों की गैरसैंण राजधानी की मांग धूमिल होती चली गई। नेताओं को अपने ठाठ-बाठ के लिए पहाड़ चढ़ना मंजूर नहीं था और नेतागिरी करने के लिए यह मुद्दा तो लंबा चलाना था। साल-दर-साल चुनाव होते रहे, गैरसैंण का मुद्दा चुनाव के समय उठता रहा, लेकिन हकीकत आज भी यह है कि आमजन की हसरत आज भी अधूरी है।

इसके साथ ही जब-जब गैरसैंण पर बात हुई तो कुछ न कुछ हुआ और इसी का परिणाम था कि जब भराड़ीसैंण में विधानसभा भवन का निर्माण हुआ तो पहाड़ के लोगों के भीतर एक नईई आशा जगी। उन्हें लगा कि शायद अब राज्य की सत्ता धीरे-धीरे पहाड़ की ओर लौटेगी। लेकिन आज भी कभी कभार सपने की तरह यहां नेताओं को हुजूम उमड़ता है और कुछ दिन मौज-मस्ती

●हर चुनाव में राजनैतिक दलों का मुद्दा बन जाता है गैरसैंण
●चुनाव खत्म होते ही राजधानी पर नहीं करता है कोई भी बात
●हकीकत में प्रदेश के आमजन की हसरत आज भी है अधूरी

पर फिर गैरसैंण बीरान हो जाता है।

आज की स्थिति यह है कि भराड़ीसैंण का विधानमंडल परिसर अत्यंत भव्य और आधुनिक है। वहां विधानसभा भवन, विधायक आवास, अधिकारियों के आवास और कईई अन्य बुनियादी ढांचे विकसित किए गए हैं। इन परियोजनाओं पर हजारों करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। लेकिन इन सबके बावजूद साल भर में केवल कुछ ही दिनों के लिए वहां विधानसभा सत्र आयोजित होता है।

अब चुनावी साल है और भाजपा कांग्रेस का यह फिर मुद्दा होगा, लेकिन सिर्फ चुनावी। चुनाव खत्म होते ही सभी नेता देहरादून में एसी की हवा खाने में मस्त हो जाएंगे और पांच साल तक चुप्पी साधे रहेंगे। हर चुनाव में भाजपा और कांग्रेस ने गैरसैंण को लेकर सफेद झूठ बोला है और आगे भी बोलेंगे। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर राजनैतिक दलों ने गैरसैंण की समस्या का समाधान कर दिया तो आने वाले समय में किस बात की राजनीति करेंगे। शायद यही कारण है कि आज भी इस मुद्दे को दोनों दल अलझाये हुए हैं।

लंबे समय बाद दिखे भाजपा प्रदेश प्रभारी दुष्यंत

लंबे समय बाद भाजपा के प्रदेश प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यंत गौतम प्रदेश में दिखे। भाजपा की संगठनात्मक बैठक में भाग लेने के लिए पहुंचे थे। देहरादून में कुआंवाला में आयोजित बैठक में गौतम ने मुख्यमंत्री धामी को 4 वर्ष पूरे करने वाले पाटी में पहले मुख्यमंत्री बनने की बधाईई दी। उनके कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा, वह आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप राज्य का निर्माण कर रहे हैं।` जनता के मन जीतने का तो काम कर ही रहे हैं, साथ ही पीएम मोदी के कहे अनुशार उत्तराखंड का दशक लाने के लिए जी जान से जुटे हैं। उनके नेतृत्व में आपदा का भी समाधान निकालकर, राज्य आज विकसित भारत के मिशन में सर्वोपरि नामों में शुमार है।

रोडवेज बस की चपेट में आकर एक घायल

संवाददाता

देहरादून। रोडवेज बस की चपेट में आने से युवक के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मिस्सरवाला निवासी मदन लाल ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा अमित बाजार से घर की तरफ आ रहा था जब वह घर के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रही रोडवेज बस चालक ने तेजी व लापरवाही से बस को चलाते हुए उसके बेटे को टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मंदिर में हुई चोरी का खुलासा, चोर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। मन्दिर में हुई चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चुराया गया माल व एक तंमचा बरामद हुआ है। हालांकि मामले से संबन्धित एक चोर पूर्व समय में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

जानकारी के अनुसार बीती 26 फरवरी को पंकज गौड़ पुत्र नन्हे बाबू शर्मा निवासी रम्पुरा कोतवाली रुद्रपुर जिला उधमसिंह नगर द्वारा कोतवाली पंतनगर पर तहरीर देकर बताया गया था कि अटरिया माता मंदिर में 26 फरवरी को दो अज्ञात चोरों द्वारा मंदिर में रखे 6 दान पात्रों को तोड़ कर उनमे रखी धनराशि चोरी कर ली है। मामले में पुलिस ने

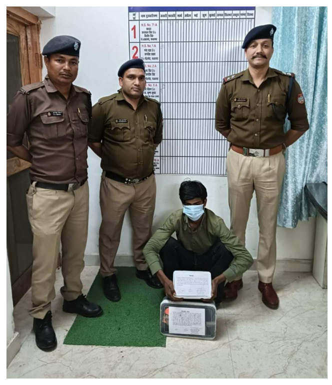

तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीमों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद 6 मार्च को अटरिया माता मंदिर मे चोरी करने वाले आरोपी राम किशन उर्फ किशन पुत्र स्व. कप्तान सिंह निवासी तीन पानी डैम, चौहान मार्ट के ऊपर, कोतवाली ट्रांजिट कैम्प जिला उधम सिंह नगर उम्र 18 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया गया जिसके पास से चुराये गये कुल 8108 रुपये नकद व घटना मे प्रयुक्त एक भगूवा रंग का कपडे का टुकड़ा बरामद किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था व मुकदमे में फरार चल रहे दूसरे आरोपी रोहित पुत्र शंकर लाल निवासी मछली बाजार, गुरुकुल स्कूल के पास, कोतवाली ट्रांजिट कैंप जिला उधमसिंह नगर उम्र 18 वर्ष को एक सूचना के बाद पुलिस ने बीती रात गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से चोरी किया गया माल तथा एक तमंचा व कारतूस बरामद किया गया है। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने 63 सफाई निरीक्षकों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

चार वर्षों में लगभग 30 हजार युवाओं को प्रदान की गई सरकारी नौकरीः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 63 सफाई निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए कहा कि चार वर्षों में लगभग 30 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की गयी।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में शहरी विकास विभाग के अन्तर्गत चयनित 63 सफाई निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लगभग 62 करोड़ की अनुमानित लागत से बनने वाले शहरी विकास निदेशालय के नवीन भवन का वर्चुअल शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान कूड़ा निस्तारण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चार वर्षों में राज्य में लगभग 30 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की जा चुकी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित सभी सफाई निरीक्षकों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आज आपके जीवन में एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के गठन के समय प्रदेश में केवल 63 स्थानीय नगर निकाय थे। आज प्रदेश में 11 नगर निगम, 46 नगर पालिका परिषद और 51 नगर पंचायत सहित कुल 108 स्थानीय नगर निकाय हैं। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि आज हमारे शहर विकास और आर्थिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र बन चुके हैं। राज्य सरकार प्रदेश के अपने इन शहरों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इस दिशा में हमारे स्थानीय निकायों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि कूड़ा प्रबंधन से लेकर नागरिकों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं के सुचारू संचालन तक की बड़ी जिम्मेदारी इन्हीं संस्थाओं के कंधों पर होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय निकाय हमारे शहरों के समग्र विकास के सबसे मजबूत स्तंभ हैं। सफाई निरीक्षक इसकी नींव के पत्थर हैं। प्रदेश में नगर निकायों की प्रशासनिक और तकनीकी क्षमता को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। पिछले करीब 5 वर्षों में शहरी निकायों में 63 अधिशासी अधिकारियों, 22 कर एवं राजस्व निरीक्षकों तथा 32 अवर अभियंताओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। 63 सफाई निरीक्षकों की नियुक्ति हमारे नगर निकायों की कार्यक्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर विधायक खजान दास, बंशीधर भगत, उमेश शर्मा काऊ, श्रीमती सविता कपूर, सचिव शहरी विकास नितेश झा, निदेशक शहरी विकास विनोद गिरी गोस्वामी, नगर आयुक्त देहरादून श्रीमती नमामि बंसल एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

होटल-ढाबों और रेस्टोरेंट संचालकों ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की उठाई मांग

हमारे संवाददाता

पौड़ी। श्रीनगर क्षेत्र में होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट से जुड़े व्यवसायियों ने आज प्रशासन से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने की मांग की है। मामले में उन्होंने एक ज्ञापन प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा गया है।

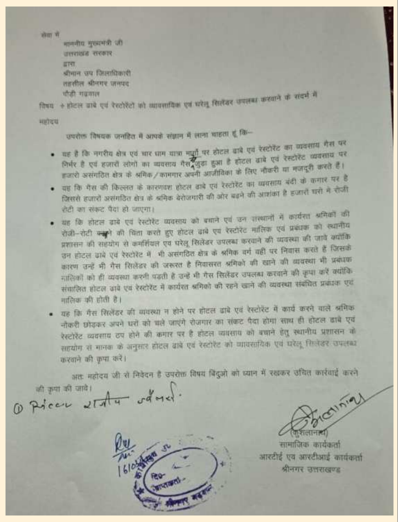

ज्ञापन के माध्यम से व्यवसायियों का कहना है कि नगरीय क्षेत्र और चारधाम यात्रा मार्गों पर होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट का व्यवसाय पूरी तरह गैस सिलेंडर पर निर्भर है। इस क्षेत्र से हजारों लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं और कई श्रमिक अपने परिवार का भरण-पोषण इसी व्यवसाय के जरिए करते हैं। ज्ञापन में बताया गया कि गैस की उपलब्धता में आ रही दिक्कतों के कारण होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। यदि समय पर गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हुए तो हजारों लोगों के रोजगार पर संकट आ सकता है।

ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से मांग की गई है कि होटल, ढाबा और रेस्टोरेंट संचालकों को व्यवसायिक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही इन प्रतिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों के लिए घरेलू गैस सिलेंडर की भी उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कहा गया है कि यदि गैस सिलेंडर की समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ तो होटल और रेस्टोरेंट में काम करने वाले कई श्रमिक बेरोजगार हो सकते हैं। इसलिए प्रशासन से जल्द उचित कार्रवाई करने की अपील की गई है। यह ज्ञापन सामाजिक कार्यकर्ता इरफान अली द्वारा प्रशासन को सौंपा गया, जिसमें होटल-ढाबा और रेस्टोरेंट से जुड़े लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए जल्द समाधान की मांग की गई है।

अस्पताल में आग लगने से 10 मरीजों की मौत

हमारे संवाददाता

ओडिसा। कटक स्थित श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आज सुबह आग लगने की सूचना से सनसनी फैल गयी। हादसें में 10 मरीजों की मौत हो गयी जबकि 11 कर्मचारी झुलस गये है। जिनका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार कटक के एसीबी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में आज तड़के सुबह करीब 3 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 10 मरीजों की मौत हुई है। आग अस्पताल की पहली मंजिल पर ट्रॉमा केयर के एक वार्ड में लगी बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय अस्पताल में करीब 23 मरीज भर्ती थे। घटना के समय भयानक आग से मरीजों को बचाने में अस्पताल स्टाफ के करीब 11 कर्मचारी झुलस गए। फिलहाल आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। लेकिन आग किस कारण लगी है अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। घटना के बाद सुबह घायलों का हाल जानने के लिए ओडिशा के मुख्यमंत्री अस्पताल पहुंचे और मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया। साथ ही हादसे की हाई लेवल जांच का आदेश दिया गया है।

घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक उपयोग पर 10 सिलेंडर जब्त

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में किसी भी दशा में उपयोग न हो इसके लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जिला पूर्ति अधिकारी को सख्त हिदायत दी है कि व्यापारिक प्रतिष्ठानों में निरंतर छापेमारी की कार्यवाही करते हुए,जिन व्यवसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग किया जाता है तो उनके विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश पाल ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशन में एवं भारत सरकार द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश 2026 के अनुपालन में जनपद के विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों में छापेमारी की कार्यवाही की गयी। जिसमें क्षेत्रीय खाद्य अधिकारियों एवं पूर्ति निरीक्षकों द्वारा जनपद के विभिन्न होटलों, ढाबों एवं रेस्टोरंट सहित कुल 15 व्यापारिक प्रतिष्ठानों में छापेमारी की कार्यवाही की गयी, जिसमें नवोदय नगर, बहादराबाद में 5 तथा तहसील भगवानपुर में 5, कुल 10 घरेलू गैस सिलेण्डर कब्जे में लिये गये। इसके अतिरिक्त प्राकृतिक गैस, एलपीजी या सीएनजी के अनुश्रवण हेतु जनपद की 41 गैस एजेंसीवार 41 नोडल अधिकारी नामित किये गये हैं, जिनके द्वारा नियमित रूप से गैस एजेंसी का निरीक्षण कर अनुश्रवण किया जा रहा हैं।

घटिया सड़क निर्माण में 3 अभियंताओं व ठेकेदार से 1.71 करोड़ की वसूली

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में गांवों को सड़क सुविधा से जोडने में अहम भूमिका निभा रही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) में सड़कों के निर्माण में कोताही पर अब यूआरआरडीए (उत्तराखंड ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण) ने ठेकेदारों व अभियंताओं पर शिकंजा कसना शुरू किया है।

इसी कड़ी में पौड़ी जिले के पाबौ ब्लाक में पटौटी-कालों मार्ग के घटिया निर्माण में तत्कालीन अधिशासी अभियंता समेत तीन अभियंताओं से 85.88 लाख रुपये की वसूली के आदेश जारी किए गए हैं। यह वसूली सुनिश्चित करने को यूआरआरडीए के सीईओ आलोक कुमार पांडेय ने सिंचाई विभाग के सचिव और विभागाध्यक्ष को पत्र भेजा है। ठेकेदार से भी 85.88 लाख की वसूली के आदेश पहले ही जारी किए जा चुके हैं।

बता दें कि पीएमजीएसवाई सिंचाई खंड श्रीनगर-एक के अंतर्गत पूर्व में पाबौ ब्लाक में लगभग चार किमी लंबे पटौटी-कालों मार्ग की स्वीकृति हुई। प्रथम चरण में कटान और द्वितीय चरण में डामरीकरण को कुल 1,71,76,289 रुपये खर्च किए गए। मार्ग बनने पर जब राज्य स्तरीय गुणवत्ता जांच हुई तो इसमें तमाम खामियां पाई गईं। बावजूद इसके ठेकेदार और अभियंताओं ने इसकी अनदेखी कर दी। बाद में केंद्रीय टीम ने गुणवत्ता की जांच तो इसमें भी घटिया निर्माण की पुष्टि हुई। साथ ही अभियंताओं की भूमिका पर सवाल उठाए गए। इस पर राज्य में पीएमजीएसवाई का संचालन करने वाले यूआरआडीए ने कड़ा रुख अपनाया।

पीएमजीएसवाई में प्रविधान है कि जांच के बाद राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंचना विकास अभिकरण (एनआइडीए) जिस सड़क को सुधार योग्य न होने की श्रेणी में डाल देता है, उसमें संपूर्ण राशि का 50 प्रतिशत संबंधित ठेकेदार और शेष अभियंताओं से वसूली जाएगी। इस सड़क के मामले में यूआरआरडीए के सीईओ आलोक कुमार पांडेय ने ठेकेदार से 85.88 लाख की वसूली के आदेश जारी किए हैं। शेष राशि में से तत्कालीन कनिष्ठ अभियंता विवेक पुरोहित से 42.94 लाख (50 प्रतिशत), सहायक अभियंता भगत सिंह रावत से 30.05 लाख (35 प्रतिशत) और अधिशासी अभियंता वीरेंद्र दत्त जोशी (अब सेवानिवृत्त) से 12.88 लाख रुपये (15 प्रतिशत) की वसूली के आदेश जारी किए गए हैं।

पीएमजीएसवाई में अभियंताओं के विरुद्ध सीईओ पांडेय की इस कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मचा है। बताया जा रहा है कि कुछ अन्य सड़कों के मामले में शिकायतें आ रही हैं और इनमें भी संबंधित अभियंताओं की कुंडली खंगाली जा रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।